वार्षिक प्रतिवेदन
2021-2022

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

सोमवार, 28 मार्च 2022

मुख्यातिथि

श्रीमती कमलेश कुमारी

माननीय विधायिका, विधानसभा क्षेत्र भोरंज, हिमाचल प्रदेश
एवं उप–मुख्य सचेतक, हिमाचल प्रदेश विधानसभा

प्रस्तुतकर्त्ता :

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
भोरंज (तरक्वाड़ी), जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

राजकीय महाविद्यालय भोरंज (तरक्वाड़ी)
जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22

वार्षिक पारितोषक वितरण समारोह 2021–22 की मुख्यातिथि महोदया, उप–मुख्य सचेतक, हिमाचल प्रदेश विधान सभा तथा भोरंज विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय ,कर्मठ, कर्त्तव्य–निष्ठ, सुमधुरभाषिणी विधायिका, श्रीमती कमलेश कुमारी जी तथा सम्माननीय अतिथिगण ! मैं राजकीय महाविद्यालय भोरंज (तरक्वाड़ी) जिला हमीरपुर के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह के पावन अवसर पर महाविद्यालय के अभिभावक–अध्यापक संघ, छात्र वर्ग, प्राध्यापक वर्ग, गैर –शिक्षक कर्मचारी वर्ग तथा समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से यहां पर उपस्थित सभी प्रबुद्धजनों का अभिनदंन एंव हार्दिक स्वागत करता हूँ ।

माननीय मुख्यातिथि जी, आपने अपनी अनेक व्यस्तताओं के बावजूद इस समारोह में पधार कर हमें अनुगृहीत किया है । इसके लिए हम सब आपके आभारी हैं। इस विद्यामन्दिर के प्रांगण में आपकी गरिमामयी उपस्थिति हमारे लिए गर्व एवं परम् सौभाग्य का विषय है, आपकी उपस्थिति हमारे लिए इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि आपका समस्त जीवन समाज सेवा के प्रति समर्पित रहा है। आपके अथक प्रयासों एवं प्रतिबद्धता से समाज को नई दशा और दिशा मिली है। मैं व्यक्तिगत तौर पर आपका स्वागत करता हूँ ।

1. महाविद्यालय का परिचय

राजकीय महाविद्यालय भोरंज (तरक्वाड़ी) वर्ष 2002 में प्रारम्भ हुआ तथा जुलाई, 2022 में अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूर्ण कर रहा है, आरंभ में यह महाविद्यालय एक किराए भवन में चलता था ; पंरन्तु आज इस महाविद्यालय का अपना भवन है, जो वर्ष 2008 में पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो गया था। यह महाविद्यालय अपने पूरे गौरव व वैभव के साथ छात्र व छात्राओं के बीच शिक्षा व ज्ञान का प्रकाश बिखेरता हुआ दिन दोगुनी रात चौगुनी उन्नति कर रहा है । यही कारण है कि इस महाविद्यालय को सर्वप्रथम उत्कृष्ट महाविद्यालयों की श्रेणी में रखा गया । जो आधारभूत सामग्री इस महाविद्यालय में है, वह प्रदेश के किसी भी महाविद्यालय में नहीं है ।

इस महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान , वाणिज्य और बी.सी.ए. सहित चार संकाय संचालित हैं , जिनमें 19 विषयों का अध्ययन करवाया जाता है और इस सत्र से (2022–23) पी.जी.डी.सी.ए. कोर्स भी संचालित किया जा रहा है । महाविद्यालय में शिक्षकों के 27 तथा गैर–शिक्षक कर्मचारियों के 20 पद सृजित हैं। महाविद्यालय का मूल्यांकन "राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्" (NAAC) द्वारा वर्ष 2016 में किया गया जिसमें महाविद्यालय को 'बी' ग्रेड से मूल्यांकित किया गया। महाविद्यालय को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से स्थायी सम्बद्धता वर्ष 2017 में प्रदान की गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा वर्ष 2017 में महाविद्यालय को 2 (f) & 12 (B) के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त हुई। इससे महाविद्यालय अनुदान आयोग से अतिरिक्त ग्रांट प्राप्त करने में भी सहायता मिलती है ।

2. विद्यार्थी संख्या

महाविद्यालय में 2021–22 के दौरान विभिन्न संकायों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 735 है, जिनमें 328 छात्र व 470 छात्राएं है । चार संकायों की छात्र संख्या का विवरण निम्नलिखित है: –

संकाय	छात्र	छात्राएं	योग
कला	74	183	257
वाणिज्य	72	86	158
विज्ञान	109	122	231
बी.सी.ए.	73	16	89
कुल	328	407	735

3. परीक्षा परिणाम

राजकीय महाविद्यालय भोरंज में हि.प्र. विश्वविद्यालय के दिशा निर्देशों के अंतर्गत वार्षिक परीक्षा परिणाम सत्र 2020–21 का निम्नलिखित है:–

क्र. सं.	कक्षा	कुल विद्यार्थी	उत्तीर्ण
1.	कला स्नातक तृतीय वर्ष	43	43
2.	विज्ञान तृतीय वर्ष	33	33

3.	वाणिज्य स्नातक तृतीय वर्ष	29	28
4.	बी.सी.ए तृतीय वर्ष	08	08
5.	कला स्नातक (2020–21) द्वितीय वर्ष	80	80
6.	विज्ञान स्नातक द्वितीय वर्ष	77	77
7.	वाणिज्य स्नातक द्वितीय वर्ष	45	45
8.	कला स्नातक प्रथम वर्ष	61	61
9.	विज्ञान स्नातक प्रथम वर्ष	57	57
10.	वाणिज्य स्नातक प्रथम वर्ष	41	41

नोट : कोरोना के कारण प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के सभी संकायों के छात्र अगली कक्षाओं में प्रवर्तित किए गए हैं।

4. कर्मचारी वर्ग

(i) प्राध्यापक वर्ग

इस महाविद्यालय में कला संकाय में 12 पद , वाणिज्य संकाय में 2 पद तथा विज्ञान संकाय में 13 पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में कला संकाय में इतिहास, भूगोल, संस्कृत, राजनीति–शास्त्र, शारीरिक–शिक्षा, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र में एक–एक प्राध्यापक कार्यरत हैं, जबकि संगीत तथा हिन्दी के पद रिक्त चल रहे हैं। अंग्रेजी एवं वाणिज्य संकाय में दो–दो प्राध्यापक कार्यरत हैं। विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान में तीन, भौतिक के तीन, प्राणी विज्ञान के एक, वनस्पति विज्ञान में दो और गणित में एक प्राध्यापक कार्यरत हैं, जबकि प्राणी विज्ञान एवं गणित में एक–एक पद रिक्त चल रहे हैं। कम्प्यूटर आवेदन में एक प्राध्यापक कार्यरत है। बी.सी.ए. विभाग में चार प्राध्यापकों की नियुक्ति स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत की गई है।

(ii) गैर–शिक्षक कर्मचारी वर्ग

गैर–शिक्षक कर्मचारी वर्ग के कुल 20पद सृजित हैं। वर्तमान में एक अधीक्षक, पाँच चपरासी, दो एल.ए., दो सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं जबकि दस पद खाली चल रहे हैं। जिनमें तीन जे.एल.ए., दो एस.एल.ए., एक तबला वादक दो सफाई कर्मचारियों, एक लिपिक तथा स्टोर कीपर का पद रिक्त चल रहा है।

5. आगमन

प्रो. पवन एवं प्रो. निखिल (वाणिज्य विभाग), प्रो. मेनिका एवं डॉ. विवेक चन्देल (वनस्पति विभाग), प्रो. रवि एवं डॉ. नरेश कुमार (भौतिक विभाग), प्रो. तिलक राज (इतिहास), प्रो. आशीष नेगी (लोक प्रशासन) डॉ. संदीप (भूगोल) तथा डॉ. देवेन्द्र (प्राणी विज्ञान) में विभिन्न महाविद्यलायों से स्थानान्तरित होकर इस महाविद्यालय में आए/ चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों में श्रीमती सुदेश एवं श्रीमती रीता इस महाविद्यालय के परिवार में शमिल हुए ।

6. प्रस्थान :

प्रो. प्रिन्स (वनस्पति शास्त्र, डॉ. प्रोविन्द्र (वाणिज्य विभाग) प्रो. शशी (इतिहास), डॉ. दिव्या (गणित), प्रो. प्रशान्त (भौतिक विज्ञान) तथा गैर शिक्षक कर्मचारियों में सोमनाथ (लिपिक) एवं सुरेन्द्र अन्य स्थानों पर गए। श्री राकेश कुमार को राजकीय वरिष्ठ माध्यामिक विद्यालय अमरोह में स्थायी नियुक्ति प्राप्त हुई ।

7. छात्रवृत्तियाँ

इस सत्र में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं बीपीएल परिवारों से संम्बंन्ध रखने वाले विद्यार्थियों को सरकार द्वारा छात्रवृत्तियाँ स्वीकृत्त की गई जिसका विवरण इस प्रकार से है :

क्र. सं.	वर्ग	सत्र 2021–22 आवेदन संख्या
1.	अनुसूचित जाति	60
2.	अन्य पिछड़ा वर्ग	13
3.	कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना	32
4.	आई.आर.डी.पी.	01
5.	अम्बेदकर छात्रवृत्ति योजना	43
6.	अनुसूचित जनजाति	01

8. पुस्तकालय

पुस्तकालय महाविद्यालय का अभिन्न अंग है तथा ज्ञान का असीम भण्डार है जो छात्रों की गुणात्मक शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति करता है। इस महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 7400 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पाठ्यक्रम के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान की पूर्ति के लिए पुस्तकालय में 10 दैनिक समाचार पत्र, 12 पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के लिए 13 कम्प्यूटर, दो फोटोस्टेट मशीन तथा इन्टरनेट की सुविधा भी प्रदान की गई है। पुस्तकालय में CCTV कैमरे लगाए गए हैं। पुस्तकालय में आधुनिक कोहा (KOHA) सॉफ्टवेयर एंव सुरक्षा व्यवस्था सुनियिचत करने के उद्देश्य ये RFID उपकरण स्थपित किया गया है ।

9. शारीरिक शिक्षा व खेल–कूद गतिविधियां

महाविद्यालय में अतंर महाविद्यालय टेबल टैनिस प्रतियोगिता का आयोजन 04th और 05th दिसम्बर को किया गया। जिसमें प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया, इस प्रतियोगिता में 8 टीमें पुरूष वर्ग की तथा चार टीमें महिला वर्ग के खिलाड़ियों की थीं।

महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं ने अंतर महाविद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे बास्केटबाल, जूडो खेलकूद तथा भारोत्तोलन प्रतियोगिता में भाग लिया । महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने राजस्तरीय नेटवाल और बॉलीवाल, कोर्फबाल तथा Under-19 बास्केटबाल प्रतियोगिता में भाग लिया, ईशा ने विश्वविद्यालय स्तर की टेबलटेनिस प्रतियोगिता में भाग लिया तथा अनुकूल बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र ने नार्थ जोन अन्तर विश्वविद्यालीय बॉस्केटवाल प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। किरण वाला बी.ए. तृतीय वर्ष ने अन्तर महाविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया ।

महाविद्यालय में FIT INDIA MOVEMENT के उपलक्ष्य पर साप्ताहिक खेलकूद का आयोजन

किया गया । इसमें बैडमिन्टन टेबल टैनिस, कैरम, वॉलीवाल आदि में विद्यार्थियों ने भाग लिया । वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता वर्ष 2021–22 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । शारीरिक– शिक्षा विभाग ने तीन दिवसीय योग कार्यशाला का भी आयोजन किया ।

10. राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की वर्ष 2021–22 की उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :

1. 01 अगस्त, 2021 से लेकर 15 अगस्त, 2021 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन किया और स्वयंसेवियों ने पोस्टर मेकिंग,(स्लोगन) नारा लेखन इत्यादि गतिविधियों के साथ–2 स्वच्छता अभियान भी संचालित किया ।
2. 17 सितम्बर, 2021 से लेकर 24 सितम्बर, 2021 तक इस इकाई ने सामाजिक चेतना अभियान के तहत स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, सड़क सुरक्षा पर विशेषज्ञ वार्ता, जैव विविधता की सुरक्षा जैसे कार्यक्रम तथा अभियान चलाए।
3. "नशा निवारण" मुहिम के अन्तर्गत 30 अक्तूबर, 2021 को निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
4. इस इकाई ने 19 नवम्बर, 2021 से 25 नवम्बर, 2021 तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जिसमें 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर का शुभारम्भ स्थानीय विधायिका तथा उप–मुख्य सचेतक हिमाचल प्रदेश विधानसभा श्रीमती कमलेश कुमारी के करकमलों से हुआ।
5. एन.एस.एस. स्वयंसेवी ललिता ठाकुर ने राष्ट्रीय युवा साँसद कार्यक्रम में हमीरपुर जिला में प्रथम स्थान प्राप्त कर, प्रदेश स्तर के इस कार्यक्रम में हमीरपुर जिला का प्रतिनिधित्व किया।
6. 28 फरवरी, 2022 को "गुंजन" गैर सरकारी संस्था के तत्त्वाधान में नशा निवारण पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया।
7. कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रविन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने वर्ष भर विभिन्न सामाजिक,

शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर भाग लिया। वे महाविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में भी सक्रिय रहे।

11. सांस्कृतिक गतिविधियाँ

कोरोना के कारण इस वर्ष महाविद्यालय में उच्च स्तर पर कोई सांस्कृतिक गतिविधि नहीं हो पाई किन्तु महाविद्यालय स्तर एवं एन.एस.एस. इकाई के द्वारा एकल संगीत, समूहगान, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य इत्यादि कार्यक्रमों/गतिविधियों का आयोजन किया गया।

12. रैड–रिबन क्लब

एड्स जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति न केवल महाविद्यालय के छात्रों अपितु समस्त समाज को जागरूक करने के लिए महाविद्यालय में रैड रिबन क्लब की स्थापना 2009–10 में की गई। इस क्लब के नोडल ऑफिसर डा. विवेक चंदेल पूरी कार्यकुशलता से इसका संचालन कर रहे हैं।

1. 12 अगस्त, 2021 को "अमृत महोत्सव" का शुभारंभ किया गया और 31 अगस्त तक पोस्टर मेकिंग (एच. आई.वी.), पोस्टर मेकिंग (टी.बी.), एक मिनट वीडियो (रक्तदान) जैसी प्रतियोगितायें करवाई गईं।
2. रैड रिबन क्लब के तीन स्वयंसेवियों अभिषेक, अंशिका, मुस्कान ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी हमीरपुर के कार्यालय में एक दिन का प्रशिक्षण लिया।
3. विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर रैड रिबन स्वयंसेवियों ने नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
4. 8 दिसम्बर, 2021 को स्वयंसेवियों द्वारा एड्स जागरूकता पर स्थानीय बाजार में रैली निकाली गई।

13. रोवर्स एंड रेंजर्स

महाविद्यालय की रोवर एवं रेंजर्स इकाई प्रो. भूपेन्द्र और प्रो. अंजना के कुशल नेतृत्व में कार्यरत है। वर्ष 2021–22 में 20 रेंजर्स और 17 रोवर्स पंजीकृत हुये।

1. 19 सितम्बर, 2021 को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 20 छात्रों ने भाग लिया।
2. 8 नवम्बर, 2021 को रोवर्स एंड रेंजर्स का स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया।
3. 15 नवम्बर, 2021 को एक दिन के सफाई अभियान का आयोजन किया गया।

14. सड़क सुरक्षा क्लब

महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा क्लब का गठन सत्र 2021–22 में किया गया। इस क्लब का प्रभार डा. विवेक चंदेल जी के पास है। उच्चतर शिक्षा विभाग हिमाचल प्रदेश के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने के लिये विभिन्न गतिविधियों जैसे निबन्ध लेखन, पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

15. महाविद्यालय पत्रिका

महाविद्यालय छात्र–छात्राओं की प्रतिभा तथा अभिव्यक्ति को उचित प्रोत्साहन देने के लिए इस वर्ष "तारिका" पत्रिका के वार्षिक संस्करण का प्रकाशन हो रहा है। प्रो. आशा देवी इस पत्रिका की मुख्य संपादिका हैं। पत्रिका में अंग्रेजी, हिंदी, पहाड़ी, संस्कृत, विज्ञान तथा वाणिज्य अनुभाग हैं। प्रत्येक अनुभाग के शिक्षक संपादक तथा छात्र संपादक इस पत्रिका को एक अनूठा दस्तावेज बनाने के लिए तत्पर तथा प्रेरित हैं।

16. महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

महाविद्यालय में महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं व महाविद्यालय में कार्यरत महिलाओं को सुरक्षा तथा अनुकूलनीय व्यावहारिक परिवेश प्रदान करना है। प्रो. अंजना इस प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं।

17. व्यक्तिगत उपलब्धियाँ

1. प्रो. रवि दत्त (सहायक आचार्य, भौतिक विज्ञान) ने दो सप्ताह का पुनश्चर्या कार्यक्रम 27 अक्तूबर, 2021 से 10 नवम्बर, 2021 तक, अध्यापक शिक्षण केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय से किया।
2. डॉ. आशा देवी (सहायक आचार्य, संस्कृत) ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र पढ़े तथा 03–03–2022 से09–03–2022 तक सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) में भाग लिया जिसका विषय सांख्यिकी उपकरण में एस.पी.एस.एस. का प्रयोग था।
3. प्रो. प्रवीण शर्मा (सहायक आचार्य, कम्प्यूटर साईंस) ने सात दिवसीय कार्यशाला (International Workshop on Machine Learning and Its Applications) जो कि IGNT University Amar Kantak द्वारा 24 से 28 जनवरी, 2022 में करवाई गई, उसमें भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी Biodiversity and Sustainable Development में शोध–पत्र प्रस्तुत किया।
4. प्रो. नरेश कुमार (सहायक आचार्य, भौतिक विज्ञान) ने 6 दिवसीय FDP on "Skills, Knowledge and Opportunities for Teachers in Present Scenario" 11 से 16 अगस्त, 2021 में भाग लिया।
5. प्रो. अंजना कुमारी (सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान) ने 25 जून से 1 जुलाई, 2021 तक FDP on "Practical Aspects of ICT Tool and Online Teaching on Current Scenario" में भाग लिया। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Traditional Knowledge Based Plant Derived Natural Products" नामक शोध–पत्र भी पढ़ा।
6. प्रो. रविन्द्र कुमार (सहायक आचार्य, अंग्रेजी) ने पंजाब युनिवर्सिटी के शोध जरनल "Dialog" में "Disease as a Site of Counter Science : Occult Practices in Amitav Ghosh's The Calcutta Chromosome" नामक शोध पत्र प्रकाशित करवाया। उन्होंने दो सप्ताह का रिफ्रैशर कोर्स 7 से 21 फरवरी, 2022 तक अध्यापक शिक्षण केन्द्र, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से किया।
7. प्रो. वीरेन्द्र कुमार (सहायक आचार्य, शारीरिक शिक्षा) ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के एच.आर.डी. सी. से 6 सितम्बर, 2021 से 19 सितम्बर, 2022 तक सात दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। 23 जून, 2021 से 29 जून, 2021 तक "कला और योग" इस सात दिवसीय कार्यशाला में भी भाग लिया।

18. अभिभावक–अध्यापक संघ (पी.टी.ए.)

अभिभावक–अध्यापक संघ का गठन 11 सितम्बर, 2021 को किया गया। अभिभावक–अध्यापक संघ का महाविद्यालय के विकासात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी उद्देश्य से इस वर्ष भी अधोलिखित कार्यकारिणी के सदस्यों का चयन किया गया ।

1. अध्यक्ष – श्री विनोद कुमार
2. उपाध्यक्ष – श्री सुनील कुमार
3. सचिव – डॉ. सुरेश कुमार
4. सह–सचिव– श्री पवन कुमार
5. कोषाध्यक्ष – श्री देवेन्द्र सिंह
6. मुख्य सलाहकार– श्री मदन लाल

इस संस्था की आय इस सत्र में लगभग 2,94,800/– रूपये रही। छात्रों को सुविधा प्रदान करने के लिए 1,75,365/– रूपये विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों एवं पी.टी.ए. के तहत नियुक्त कर्मचारियों की तनख्वाह पर खर्च किए गए। इस महाविद्यालय में एक माली, सफाई कर्मचारी एवं एक सुरक्षा कर्मचारी की नियुक्ति इसी संघ के अन्तर्गत की गई है।

19. बी.सी.ए.

महाविद्यालय में तीन वर्षीय डिग्री कोर्स, कम्प्यूटर संकाय के अन्तर्गत बी.सी.ए. स्ववित्त पोषित योजना के तहत संचालित किया जा रहा है। बी.सी.ए. प्रयोगशाला में 35 संगणक स्थापित किए गए हैं जिनमें सभी के साथ इन्टरनेट की सुविधा है जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इस कोर्स में प्रत्येक कक्षा में 50 सीटें हैं। जिसमें से 40 सब्सीडाईज़्ड तथा 10 नॉन सब्सीडाईजड हैं। सभी सीटें मेरिट के आधार पर भरी जाती हैं। प्रो. मुकेश कुमार बी.सी.ए. के समन्वयक हैं। वे निज दायित्व को निपुणतापूर्वक निभा रहे हैं।

20. पी.जी.डी.सी.ए.

महाविद्यालय में पी.जी.डी.सी.ए., पी.जी. कोर्स संचालित करने के लिए 2020–21 के सत्र में

विश्वविद्यालय से अक्तूबर माह में सम्बद्धता प्राप्त हो गई थी किन्तु कक्षाओं का संचालन नहीं हो सका था। सत्र 2022–23 में उपरलिखित कोर्स की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

21. विकासात्मक गतिविधियाँ

माननीय महोदया, 2002 में स्थापना के बाद से ही यह महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और 17 वर्षों के इस कालखंड में इस संस्थान ने सदैव ही नवशिखरों को छुआ है। वर्ष 2014 से इस महाविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से संयुक्त रूप से 90:10 के अनुपात में राष्ट्रीय उच्चस्तर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत आधारभूत ढांचे के विकास हेतु अनुदान मिलना प्रारंभ हुआ था। तदोपरांत वर्ष 2016 में महाविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् की ग्रेडिंग में सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए 'बी' ग्रेड प्राप्त किया। जिस कारण इस संस्थान का चयन राष्ट्रीय उच्च स्तर शिक्षा अभियान के द्वितीय फेज़ में मिलने वाले अनुदान के लिए हुआ। वर्ष 2017 में महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 2(f) & 12(b) के अन्तर्गत मान्यता मिली। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के द्वितीय चरण में इस महाविद्यालय को एक करोड़ रूपये की धनराशि प्राप्त हुई जिसमें से लगभग 79 लाख रूपये विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत हुई अधोलिखित विकासात्मक गतिविधियों पर खर्च किए गए :–

1. महाविद्यालय के पुस्तकालय भवन के निर्माण हेतु एच.पी.पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में 50 लाख रूपये जमा करवाए गए हैं।
2. पुस्तकालय के लिए 1,56,963/– रूपये की राशि से नई पुस्तकें खरीदी गईं।
3. 3,50,350/– रूपये से महाविद्यालय के लिए नया फर्नीचर खरीदा।
4. भूगोल विभाग को जीपीएस नेवीगेशन की सुविधा प्रदान करने हेतु 51,100/– रूपये खर्च किए गए।
5. यू.पी.एस. की खरीदारी हेतु 27,300/– रूपये व्यय किए गए।
6. 3,29,000/– रूपये की धनराशि कम्प्यूटर प्रयोगशाला के लिए इन्ट्रैक्टिव पैनल इत्यादि पर खर्च की गई।
7. सभी विभागों के प्राध्यापकों को सुविधा प्रदान करने के लिए 6,72,000/– रूपये के नए कम्प्यूटर खरीदे गए।
8. महाविद्यालय भवन के रख–रखाव एवं रंग–रोगन हेतु 10,86,165/– रूपये एच.पी.पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में जमा करवा दिए गए हैं। रंग–रोगन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत प्राप्त एक करोड़ की अनुदान राशि से निम्न कार्य सम्पूर्ण करवाए गए :–

1. पी.जी.डी.सी.ए. कोर्स के संचालन हेतु 10 कम्प्यूटर, यू.पी.एस., दस टेबल, दस कुर्सियों की खरीद के लिए पाँच लाख रूपये व्यय किए गए।
2. पाँच लाख रूपये की धनराशि प्राध्यापकों के लिए लघु अनुसन्धान केन्द्र स्थापित करने हेतु खर्च की गई। जिसमें स्पैक्टोफोटोमीटर व माइक्रोबेग्हिंग बैलेंस (Micro Weighing Balance Machine) मशीन खरीदी गई।
3. करियर गाइडेंस एण्ड प्लेसमेंट सेल में आधुनिक उपकरण एवं सुविधाएं प्रदान करने हेतु दस लाख रूपये खर्च किए गए।
4. (स्पोर्ट्स) खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आधुनिकीकरण पर बीस लाख की राशि व्यय की गई। जिसमें विद्यार्थियों के लिए जिम, ट्रेड मिल, फिटनेस इत्यादि उपकरण स्थापित किए गए।
5. महाविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा प्रदान करने हेतु तीन वर्चुअल स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना पर बारह लाख रूपये व्यय किए गए।
6. महाविद्यालय के संरक्षण, नवीनीकरण एवं सौन्दर्यीकरण पर पच्चीस लाख रूपये खर्च किए गए।
7. कार्यालय एवं पुस्तकालय के आधुनिकीकरण पर अट्ठारह लाख रूपये व्यय किए।
8. पाँच लाख की धनराशि कम्प्यूटर, प्रिन्टर, बिजली पानी, इन्टरनेट के बिल तथा कार्यालयी सामग्री पर व्यय की गई।

22. प्रमुख चालू परियोजनाएं :–

महाविद्यालय में कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य प्रगति पर हैं जो निम्न हैं :–

1. पुस्तकालय भवन के निर्माण हेतु पचास लाख रूपये एच.पी.पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में जमा करवा दिए गए हैं। शीघ्रातिशीघ्र निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया जायेगा।
2. सोलर पावर प्रोजैक्ट (Solar Power Project) 38 KWp. लगवाने हेतु 16,75,800/– रूपये हिम ऊर्जा विभाग हमीरपुर में जमा करवा दिए गए हैं।
3. महाविद्यालय के छात्रों को पार्किंग की सुविधा देने हेतु 25 लाख रूपये एच.पी.पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में पार्किंग शेड के निर्माण हेतु जमा किए हैं।

23. भावी अपेक्षाएं

माननीय महोदया, उन्नति हेतु कुछ आवश्यकताएं भी होती हैं। अतः आपसे हमें कुछ अपेक्षाएं हैं, हमें उम्मीद है कि पूर्व की भान्ति इन्हें पूरा करने में आप हमारा नेतृत्व एवं सहयोग करेंगी।

1. महाविद्यालय का भवन 2008 में बनकर तैयार हुआ था। आज 14 साल के बाद यह भवन वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो रहा है। कुछ कमरों में वर्षा का पानी टपकता है जिससे विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को पठन–पाठन में परेशानी होती है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय को प्रतिवर्ष एक भारी धनराशि भवन की पुताई और रख–रखाव में खर्च करनी पड़ती है। इन सभी समस्याओं से निजात पाने के लिए महाविद्यालय पर टीन की छत का होना अत्यावश्यक है। अतः आपसे करबद्ध निवेदन है कि इस महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के हितार्थ महाविद्यालय के छत निर्माण के कार्य को अपनी प्राथमिकताओं में रखेंगी।
2. महाविद्यालय में प्राध्यापकों और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के निम्न पद खाली हैं :– हिन्दी, संगीत, गणित एवं प्राणी विज्ञान विषयों में प्राध्यापकों के चार पद लम्बे समय से रिक्त चल रहे हैं। इन पदों को भरने के साथ–2 कुछ विभागों में नए पद सृजित करने की भी आवश्यकता है।

   हमारे महाविद्यालय में गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के पदों में क्लर्क का एक पद तथा लैब स्टाफ में एस. एल.ए. के दो, जे.एल.ए. के तीन पद खाली चल रहे हैं जिन्हें भरा जाना अत्यावश्यक है। साथ ही महाविद्यालय में पुस्तकालय रीस्टोरर, कार्यालय में वरिष्ठ सहायक का एक पद तथा कनिष्ठ कार्यालय सहायक का एक पद सृजित किए जाने की अति आवश्यकता है।
3. महाविद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ की सुविधा के लिए ए.टी.एम. स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।
4. प्रातः 9.30 बजे से 10.30 पर झनिक्कर और बस्सी से महाविद्यालय की ओर और सायं 3.30 से 4. 30 के समयांतर में महाविद्यालय से झनिक्कर और बस्सी की ओर अतिरिक्त बसों की आवश्यकता है।
5. महाविद्यालय भवन के चारों ओर पेवल टाईलज़ लगाकर रास्ते का निर्माण अपेक्षित है।

24. धन्यवाद

अपनी वाणी को विराम देने से पहले, मैं अपनी तथा समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से आज के समारोह के मुख्यातिथि माननीय स्थानीय विधायिका एवं उप–मुख्य सचेतक हिमाचल प्रदेश विधानसभा, श्रीमती कमलेश कुमारी जी का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। आपने बड़ी सहजता एवं सरलता से हमारा निवेदन स्वीकार किया। अपनी समस्त व्यस्तताओं के बावजूद आपने इस महाविद्यालय में पधार कर समारोह की शोभा को दोगुना किया है, आपकी गरिमामय उपस्थिति के लिए हम सब आपके तहेदिल से आभारी हैं। समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का भी मैं अन्तर्मन से धन्यवादी हूँ।

मैं, स्थानीय प्रशासन, लोक सम्पर्क विभाग, लोक–निर्माण विभाग, स्थानीय पुलिस, विद्युत विभाग तथा पत्रकार बन्धुओं का भी उनके सक्रिय एवं सकारात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद करता हूँ ।

मैं, शिक्षक, गैर शिक्षक वर्ग, पीटीए व समस्त विद्यार्थियों का भी धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा, अनुशासनबद्धता और शांतिपूर्ण व्यवहार से इस समारोह और महाविद्यालय की गरिमा बनाए रखने के लिए सराहनीय योगदान दिया।

इसके साथ ही मैं सभी का धन्यवाद करता हूँ जिनका नामोल्लेख मंच से नहीं हो पाया होगा। फिर से, महाविद्यालय परिवार का धन्यवाद करता हूँ जिनके अथक प्रयासों एवं परिश्रम से इस समारोह का सफल आयोजन हुआ।

प्रिय विद्यार्थियो! आप सबको जिन्हें आज पुरस्कार मिल रहे हैं हार्दिक बधाई, जिन्हें नहीं मिले उन्हें भी शुभकामनाएं कि वे भविष्य में परिश्रम करके प्राप्त करें। इसी मंगल कामना के साथ कि आप सब निज मेहनत, लग्न और ईमानदारी से अपने–अपने उद्देश्य एवं मंजिल तक पहुँचें और अपने माता–पिता, महाविद्यालय, समाज, प्रदेश व राष्ट्र का नाम रोशन करें । सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं। धन्यवाद । जय हिन्द! जय हिमाचल !!

डॉ. राकेश कुमार
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय भोरंज
(तरक्वाड़ी) जिला हमीरपुर (हि.प्र.)

दिनांक : 28 मार्च, 2022

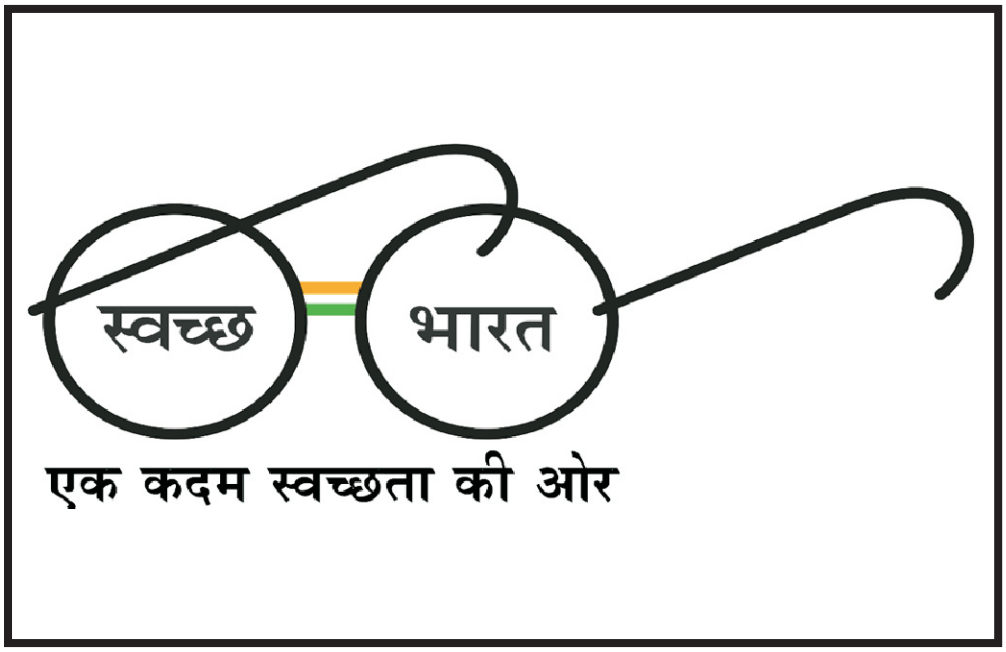
स्वच्छ
भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर